प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली विष्व पुस्तक मेला 2020

दिनांक 07 जनवरी, 2020

पुस्तक मेले के आज चौथे दिन सुबह से ही प्रगति मैदान में पुस्तक प्रेमियों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया। आसमान में हल्के बादलों के कारण धूप–छाँही मौसम के बावजूद भारी संख्या में मेला प्रेमियों का हुजूम प्रगति मैदान की ओर उमड़ पड़ा। नजदीकी मेट्रो स्टेशनों पर लंबी–लंबी कतारें देखी गयीं।

बाल मंडप –बाल मंडप में साहित्य अकादेमी द्वारा प्रसिद्ध बाल साहित्यकारों का आयोजन हुआ। गंगा देवी स्कूल, डायमंड पब्लिक स्कूल, एकता मॉडर्न पब्लिक स्कूल, ए. आर. डी. पब्लिक स्कूल और अन्य स्कूलों से छात्र उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता थे– लेखक श्रीमती पारो आनंद, प्रसिद्ध कलाकार आबिद सुरती, लेखक अनिल जायसवाल और साहित्य अकादेमी से अजय कुमार शर्मा । अजय कुमार शर्मा ने कहा कि एक लेखक एक शिक्षक भी होता है, किंतु वह थोड़ा अलग है क्योंकि वह अपनी पुस्तकों के माध्यम से सिखाता है। पारो आनंद ने कहानी सुनाते हुए यह बताया कि एक व्यक्ति जो एक किताब पढ़ता या लिखता है, वह कई तरह का जीवन जी सकता है क्योंकि वह आपको अलग–अलग भाव–लोक में ले जाता है। आबिद सुरती ने श्रोताओं को पानी की बचत और उनके द्वारा की गई पहल के बारे में बताया। अनिल जायसवाल ने बच्चों को रोचक कहानियां सुनाईं। उनका मानना था कि कहानियां हमारे आस–पास ही अस्तित्व में होती हैं, हमें उन्हें केवल खोजने की जरूरत है। विमर्शकार इस बात पर एकमत थे कि एक कलाकार या लेखक के भीतर अपनी कला के प्रति जज्बा पागलपन की हद तक होना जरूरी है।

बाल मंडप का दूसरा आयोजन मिराज किड्स वर्ल्ड एंड मिराज इंटरनेशनल स्कूल द्वारा 'जीवन में शिष्टाचार और खुशी' शीर्षक की एक लघु नाटिका का मंचन था। ऐसा देखा गया है कि आज हमारे जीवन से खुशियों के पल लुप्त होते जा रहे हैं, हमें उन्हें प्राप्त करने के पर्याप्त उपाय करने चाहिए। बच्चों ने बताया कि उन्हें कौन–कौन से काम करने से खुशी मिलती है। बाल मंडप में ही आज तीसरा आयोजन किड्स मोटिवेशनल ग्रुप द्वारा 'स्लोगन–राइटिंग पोस्टर मेकिंग' शीर्षक कार्यक्रम था। संचालक सनाउल्लाह खान ने प्रतियोगिता को जीनियस चाइल्ड क्रिएटिव कॉन्टेस्ट बताया। मंडप में उपस्थित सभी बच्चों के लिए प्रतियोगिता खुली हुई थी। बच्चों को मौके पर ही 'स्वच्छ भारत' विषय दिया गया। हमारे देश में स्वच्छता और इसके महत्व के बारे में बच्चों को विषय दिया गया था और देश में बदलाव लाने के लिए युवा कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विभिन्न स्कूलों के कई छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। किड्स मोटिवेशनल ग्रुप ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए।

आकृति प्रकाशन द्वारा 'जंक फूड और भोजन का अधिकार' विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। चर्चा में पोषण विशेषज्ञ शिवानी, सोफिया पब्लिक स्कूल से डॉ. भारती और आहार विशेषज्ञ डॉ. मनीषा ने भाग लिया। विभिन्न स्कूलों के बच्चों से जंक फूड के बारे में कुछ बुनियादी सवाल पूछे। मनीषा ने साझा किया कि हालांकि फास्ट फूड मनभावन लगता है, इसके लिए हमेशा एक और स्वस्थ विकल्प होता है। शिवानी ने स्वस्थ खाद्य पदार्थों के बारे में बात की। बच्चों को बताया गया कि कच्चे फल और सब्जी खाना एक आवश्यकता है। बच्चों को पोषक तत्वों के महत्व के बारे में बताया गया। शिक्षक भारती का मानना था कि युवाओं और बच्चों में जंक फूड का चलन आधुनिकीकरण के दौर का अभिशाप है। कार्यक्रम का संचालन राशिद ने किया।

जारी.....

लेखक मंच पर चौथे दिन अफ्रीकी साहित्य ऋंखला की नयी किताबों का लोकार्पण समारोह गार्गी प्रकाशन द्वारा आयेजित हुआ। इसके अंतर्गत आनंद स्वरूप शर्मा द्वारा संपादित एवं अनूदित पुस्तक, नरेंद्र अनिकेत द्वारा अनूदित सेम्बियन ओसमान के उपन्यास तथा दिगम्बर द्वारा अनूदित नीयी ओसुंदरे का कविता–संग्रह का लोकार्पण किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में आनंद स्वरूप वर्मा ने अफ्रीकी साहित्य पर परिचयात्मक व्याख्यान दिया तथा साहित्य की दुनिया में यूरोपियन साहित्य की वर्चस्वता को रेखांकित करते हुए भारतीय और अफ्रीकी जीवन–शैलियों, इतिहासों, सांस्कृतिक विरासतों की एकरूपता की ओर ध्यान आकृष्ट किया । नरेंद्र अनिकेत ने अपनी पुस्तक के बारे में बात करते हुए पूंजीवाद, उपनिवेशवाद और उनसे संचालित राज्य व सैन्य–संरचना को समझाया तथा आम जनता द्वारा उस व्यवस्था के प्रतिकार की आवश्यकता को दर्शाया। नीयी ओसुंदरे पर बात करते हुए धर्म के आततायी रूप, जिसमें वह तर्कसंगत सोच की हत्या कर देता है, को उद्धृत करते हुए साहित्य को भाषायी सीमाओं से परे वैश्विक प्रासंगिकता वाला बताया। दिगम्बर ने इस कार्यक्रम का संचालन किया।

लेखक मंच पर नई पुस्तकों की परिचर्चा के अंतर्गत प्रभात प्रकाशन द्वारा 'भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था' पुस्तक का लोकार्पण किया गया। के.एन. गोविंदाचार्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए जिन्होंने इस पुस्तक को सिविल सेवा तथा राज्य लोक सेवा की परीक्षाओं के लिए उपयोगी बताया। इस पुस्तक के लेखक डॉ. उदयभान सिंह ने पाठकों से संवाद करते हुए बताया कि प्रस्तुत पुस्तक में भारतीय संविधान के ऐतिहासिक विकास के विभिन्न सोपानों, भारतीय संविधान सभा के गठन एवं उसकी प्रकृति तथा कार्य प्रणाली आदि की विवेचना की गयी है। पीयूष कुमार ने पुस्तक पर अपनी राय रखते हुए संचालक की भी भूमिका निभाई।

ऑथर्स कॉर्नर के हॉल न0–8 में एक पुस्तक पर चर्चा करते हुए सुश्री रश्मि त्रिवेदी ने कहा कि हर महिला प्रबंधन कर सकती है। सत्र का आयोजन ब्लू रोज प्रकाशन द्वारा किया गया था। चार पुस्तकों की लेखिका सुश्री रश्मि ने अपनी पुस्तक 'वीमेन एवरीथिंग बी फाइन' में साहसपूर्वक महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अधिक मजबूत और शक्तिशाली रूप में प्रस्तुत किया है। उनका विचार था कि महिलाओं को अपने जीवन के लगभग हर चरण में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, फिर भी महिलाएँ अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ सभी समस्याओं से गुजरती हैं। श्रोताओं के साथ बातचीत करते हुए, उन्होंने अपनी स्वलिखित कविता भी गाकर सुनायी।

ओडिशा साहित्य अकादमी द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन श्री बिजय कुमार नायक, आई. ए. एस., निदेशक, ओडिया भाषा, साहित्य और संस्कृति विभाग द्वारा किया गया। संगोष्ठी ओडिया साहित्य में परिलक्षित होने वाले गांधीवादी दर्शन के बारे में थी। संगोष्ठी में भाग लेने वाले अतिथि प्रख्यात कवि श्री अमरेन्द्र खटुआ व श्री विजयानंद सिंह, ओडिशा साहित्य अकादेमी के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य ओडिशा पर आधारित प्रश्नोत्तरी के लिए कुछ बच्चों को कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया गया। धन्यवाद प्रस्ताव श्री देवेन्द्र कुमार राउत ने किया।

सेमिनार हॉल में किताबघर प्रकाशन के द्वारा 'साहित्य अकादमी पुरस्कार 2019' से सम्मानित नंदकिशोर आचार्य के संपादकत्व में 'गोविंद मिश्र रचनावली' का लोकार्पण हुआ। इस लोकार्पण समारोह में अतिथि के रूप में साहित्य अकादमी के उपाध्यक्ष श्री माधव कौशिक, केंद्रीय हिंदी संस्थान के उपाध्यक्ष श्री कमलकिशोर गोयनका

और वक्ता तथा संचालक दोनों की भूमिका में सुश्री अलका सिन्हा उपस्थित थीं। रचनावली के समस्त 12 खंडों में से प्रथम पाँच खंडों में उपन्यासों, तीन खंडों में कहानियों, दो में यात्राओं, एक में विविध एवं एक में आत्मनेपदों का संकलन किया गया है। वक्ताओं ने इस रचनावली पर समग्रतापूर्वक चिंतन करते हुए गोविंद मिश्र के अमूल्य योगदान को सराहा। कार्यक्रम में स्वयं श्री गोविंद मिश्र की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को बढ़ा दिया।

लेखक मंच पर 'हंस' पत्रिका द्वारा गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें ममता कालिया ने राजेन्द्र यादव हंस कथा सम्मान से पुरस्कृत कहानियों की पुस्तक का लोकार्पण किया। 'हंस' के संपादक श्री संजय सहाय ने कहानी–संग्रह की सभी नौ कहानियों का संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा कि प्रत्येक कहानी अपनी पूर्ववर्ती कहानी का विकसित रूप है। वरिष्ठ साहित्यकार ममता कालिया ने कहानी विधा को बचाए रखने तथा उसके प्रोत्साहन के लिए हंस का आभार व्यक्त किया। उन्होंने राजेन्द्र यादव के बारे में कहा कि हंस के साथ न केवल प्रेमचंद की समृद्ध परंपरा है, बल्कि राजेन्द्र यादव का संघर्ष भी शामिल है। वर्ष 2013 में उनके निधन के बाद इस सम्मान का नाम 'राजेन्द्र यादव हंस कथा सम्मान' कर दिया गया। यह संकलन पुरस्कृत कहानियों का पहला संकलन है। कार्यक्रम में आकांक्षा पारे काशिव, प्रकृति करगेती, योगिता यादव तथा पंकज सुबीर भी उपस्थित थे। रचना यादव ने इसका सफल संचालन किया।

लेखक मंच पर सामयिक प्रकाशन द्वारा 'सामयिक संवाद' के अंतर्गत लेखक–पाठक संवाद का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत भूमिका द्विवेदी का उपन्यास 'स्मैक', सोनाली मिश्रा का उपन्यास 'महानायक' तथा गरिमा संजय का उपन्यास 'ख्वाहिशें' का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य अकादेमी के उपाध्यक्ष डॉ. माधव कौशिक ने की। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि साहित्य में उपन्यास सर्वोत्तम विधा है, जिसमें लेखक डूबकर अपना काम कर सकता है। तीनों लेखिकाओं ने पाठक के साथ सार्थक संवाद किया। इस लोकार्पण समारोह का संचालन सामयिक प्रकाशन के निदेशक श्री महेश कुमार भारद्वाज ने किया।

साहित्य अकादेमी द्वारा थीम मंडप में 'गांधी : लेखकों के लेखक' विषय पर आयोजित एक साहित्यिक कार्यक्रम में डॉ. कमल किशोर गोयनका ने गांधी के अनेक अनछुए पहलुओं की जानकारी दी। अपने संबोधन में उन्होंने गांधी को एक 'विशिष्ट लेखक' बताया और कहा कि उनके जैसा प्रमूत लेखन करने वाला संभवतः उस युग में कोई नहीं था। उन्होंने गांधी की आत्मकथा और हिंद स्वराज की चर्चा के क्रम में भी अनेक बातें बताईं। श्री नंदकिशोर आचार्य ने गांधी को एक 'विद्रोही लेखक' बताया और कहा कि गांधी मानव के बर्बरीकरण के खिलाफ थे। कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादेमी के श्री अजय कुमार शर्मा ने किया।

थीम मंडप में 'पारम्परिक संगीत पर आधारित कार्यक्रम पंजाबी विरासत' की कड़ी में 'मालवा हेक ग्रुप लहरागागा, पंजाब' नामक समूह द्वारा पंजाबी लोकगीतों की संगीतमयी प्रस्तुति दी गयी। श्री जगदीश पापड़ा, डॉ. सिमरजीत कौर, विक्रम सांगा इस कार्यक्रम के प्रस्तुतकर्ता थे। बाबा नानक और मर्दाना के संवाद को पंजाबी लोकगीत शैली में पिरोकर सुंदर अभिव्यक्ति दी गई।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत

की ओर से जारी